

ॐ
सि
ध
ॐ

नीलवर्णचक्रवर्क प्रणिमूर्खविनय
अमूर्धचंद्रकटासकटधना हाशर नक्षत्राणि नाभा ॥ वज्रप
८ गजचर्म उममूर्खवर्णागविनमानदमूर्खनिधना शंकरवटिकपालपनस
पाठयिस्सुना वज्रसिन्धवा व्याघ्रचर्मकर्तुर्व्यस्ति नाभा ॥ दिगीविदि
गंकाकास्यादिजमजकिनीदेवी सहजानन्दमूर्खनिधना शंनमामिनमा
मिधोचक्रसंभवा सनगुर्वचनस आवाधिना ॥ ॥ ॐ ॥ नागाति
नवी नाना ॥ यका ॥ नित्यानादिचक्रवर्षिदलसंवावृह मरध्वगनकादिवृत्त
नादवृषी शंसमीनप्रविण ललिताईगमिनी नननिनसगा पप्रहववृषी

ASHA ARCHIVES

2881

॥ कृ ॥ उ नमामि देवी श्री वरु विनासिनी शिखर वरु य ह न ह ख स म हान
 देवी शं उदियान प्रहृ गि वि काम नृ प श्री ह त भु वि भु द्म म धु ल नृ ख यं कि ॥
 ॥ व स द ल स नो नृ ह व न ध म च क षो द ण द ल स म्हा ग च क शं षा वि
 ण ग द ल क म ल म हा स ख च क हं का न नृ प श्री ह नृ क ना थ ॥ ॥ द ह यी
 जि न वि षा दि नि ग या न रु दि नी आ व यि मृ ग धा न या ना द नृ पि शं पि भ दि द
 भ रू मी सृ ग त पू ज नि जि न हान दाय नी वि न ध्व नी ॥ ॥ द र्प षा प्र नि
 वि म्ब ज ल ऊ च ड्या य म् अ हि नी सि णु म न क व ज दे वी शं उ न्म ज न्म मा नृ कु रू
 पा य स न द ॥ इ र्गा नि ना ठ न मा कृ प्र दा त ॥ ॥ ॐ ॥ ना गा ॥ क ष

जिनाल ॥ मया ॥ घटयागिनी देवी शिखर ॥ शं विष्णु माल इष्ट दय वि
 नाशिनी ॥ कृ ॥ नमामि शं श्री वरु वा ना ह शं अ हि सि दि दाय नी उ ग ग
 जननी ॥ ॥ पूर्व द ल ग न व क व धू गी शं ॐ ॥ न या मि नी दे वी नी न व
 दनी ॥ ॥ वा य व्म मा हि ना दे वी ॥ व न व धू ला शं यं शि म स च वि षी द
 वी ॥ न व व र्ध द हा ॥ ॥ न म्हा स र्ग सि नि दे वी ह नि ग व धू ला शं दं कि
 न व धि का दे वी धु म व धू गी ॥ ॥ च नु रू उ न का न ना प च म द्रा र व
 ना शं स्व स्व वी ऊ स रू वा न व न सी दि ग म्ब वा ॥ ॥ ॐ ॥ ना गा ॥
 ह व वी ॥ ना ल म या ॥ ॐ आः हं रु द्ज न न व स्वा हा म नु उ च्चा न ध न शं पू ज

रुद्रयागिनी ॥ ८

ॐ नमो ॥ ८

पूजक पूजक राव नत्व स्व नृप बलिगव ॥ ॐ ॥ खख खख हि २ वलि पून न घघ
घाटय २ विघ्न हव २ पंचामिया न स पंच भालि न पंच हान सर्व निना ॥ ॥
सर्व ऊऊ नाक स रूत प्रत पीसा वात्मान पस्मान २ गक गकिनी इयी जूहू ॥
॥ ॐ ॥ दवलि गृहीतु न ॥ ॥ दानय न सर्व कार्य नत्वया सर्व स्रस्य संपि
लिभ क न २ ज रथे व न रथे व रुज रथ पिव रथ जिघ्र रथ माह काम रथ न ॥ ॥
समयान रुकु दान पति न सर्व सिद्धि संपद भक्ति न २ आसी सा न तथा गत
वचन सर्व सिद्धि संपद वृद्धि न ॥ ॥ ॐ ॥ नागा ललिता गाल मय
॥ अनुरुन तथा ता वकान स रुव नल न विचि न कल र्ण २ उं आरु

काव वडा मृत मृदक सफ सीरु अधि न ह ॥ ॐ ॥ चन्द्रा मृत न
सवाधिरुल दायक सर्व किन व्यापिन सह ऊऊ कल र्ण २ ऊ गग न न र अध क
शुभ नाक न रूत राव सीसा न नाशन विव रु न र्ण ॥ ॥ वज्र पन मान
मय र्ण धा व सीयु के सीध सीरु अधि न पंच पियु र्ण २ ऊं का न मं रु पुष्य सी व ह
वज्र सीरु गपिन विपा न कल र्ण ॥ ॥ घट म र्ण न न रु प न राव आ
रुष्य मं रु किनी ऊल ऊ न र्ण २ मं गि नि सा धन द व ना च रु ह्रा स त्व मा ति
य ह्नी ऊ कल र्ण ॥ ॥ पाद्या दि आ न मन दान पुत्र स न व सी समय स
त्व प्रव गिन विमल कल र्ण २ महाना ग डवी रुय वाधि चिरु न र्ण समय स

त्वहासत्त्वप्रकिलगी ॥ ॥ ॐ ॥ नागागन्धर्वनवीनालमपः ॥
 त्रिनिवायनचउवक्रविहारां कनकप्रतिष्ठा मधुलहाम ॥ ॐ ॥
 हामहामकनयियाहूहूतहिचउमालाशं नागद्वयमाहवन्धिनकूदि ॥
 ॐ ॥ प्रहाघट्टयायनेवज्राशं नविशभिचापयि आचार्यवहिरथ ॥ ॐ
 ॥ वामदहितकनकश्रवानपाशुशं कलयिवज्रानन आरुनिदिता ॥ ॐ ॥
 कर्तुवानकनकश्रुत्यनहामशं वज्रयवनघनचीयसंवाध ॥ ० ॥
 ॥ नागागन्धर्वनवीनालमपः ॥ कलिनवज्रानन नविशभिर्कूचिन
 डावयि उकावधदन्पी शं कूचनूजाल गिरुवनवीना पयिसयिजिन

असीविन्दुनयी ॥ ॐ ॥ यनमानन्दमूर्तिनूपधनी काधधियश्रीमङ्ग
 वजाशं अश्रुहं ३ काधधियश्रीमङ्गवजा ॥ ॥ कलिनकमलसंज्ञा
 लासहजापवननवीगसूनीनगति शं वियमखवदरूज नलमकूटधा
 नी कूचशीगाननदहितवाम ॥ ॥ ॐ ॥ मधुलापवि वज्रपर्यकार
 समकूचमननन प्रकलित शं वज्रवज्रसनदहितकनधनी वामघर
 त्यनचापयिधनी ॥ ॥ विविधनल आरुवधरुधिनसूचयि अ
 नगमूर्तिनूप शं अगुचनध कमलप्रभादा नमामिपनमामिनीला
 पदी ॥ ॥ ॐ ॥ नागागन्धर्वनवीनालमाथा कालायिलथीयावाला

सुमनिलकनकाला रंघनकपिथिहायि वज्रयि कनू (६) क्रियायिन लाला ॥
 ध्र ॥ मलयजं कुन्दं वज्रयि तिलिमाता नहि वज्रयि ॥ ॥ गहिरुखा
 जनगा (ध) मयनापि वयिनं यायि रंहालकालिं जनयनयायि इक्षु वज्र
 नयायि ॥ ॥ चउसमकमुनीसिद्धा कर्पूनलावनयायि रंमेलय
 जयिंधनसालिजल सुहिरुखा जनयायि ॥ ॥ प्रधुनकृत्तकनं
 शुद्धा शुद्धनमूनयि रंनिनीसूरु जंगचन्द्रावयि मा गहिरुखा सनायानयायि
 ॥ ॥ ० ॥ नागा ॥ शबलि ॥ गाल माथ ॥ सर्ववृद्ध विवृद्ध मधुगा वी
 पमानकृदति रं वज्रजगिनी वज्रमधुग कालधना तिलाचनी ॥ ध्र ॥

नमामिवाकलि सिद्धियागिनी गनमधुगा रं अष्टादि सर्वसिद्धि यागिनी
 गलमंजिगा ॥ ॥ अदित्यमधुलकजसन् दीपमाला शुर्विवना रं च
 कीकृलकलि लाचकमखला विरुषिगा ॥ ॥ कनटिषत्पन मा
 लकृदनी मूकटकं अदिगम्बना रं मधुमाल खकीगमधुगाल लज्जिका
 लयकना ॥ ॥ रुद्रदवी उकृन्नका समयनवियापिता रं रुद्रचन
 (६) निनीधनिया अडाधूडा कर्षुपागावयिया ॥ ॥ ० ॥ नागा
 अहृषि ॥ गाल माथ ॥ हाजोरुवक्ष क्रियायिल सम्बना धनयिकवाकलि
 नवना रं रुद्रवानकन मधुयामूना मकृटकं अदिगम्बना ॥ ध्र ॥

जहंगा १२

यवमानुसम्बननाया समनसद्वीमानुकाला शंभुविवाहिनी वज्रवा
नाहि रुदमहियामानुशाला ॥ ॥ अलिंशयल वनसह मयन क
प्रमरुवमितीवाला शंगगलनिलवर्ष वधिनेकज मनुमधुलरुवनी ॥
॥ ॥ श्रियं धउखटहं क्वादिगन समनपयिसयिषु न्मरु दाना शंभुम
वीवाहिनी वज्रवानाहि रुक्म विनूदय मिअन्धाना ॥ ॥ गाडी किली
नावज कलियाउव सनगुनुचनक्षाना ॥ ॥ शंभुसमयानदरुलिंगन
मधुल सम्बन वज्रवानाही ॥ ॥ ३३ ॥ नागा कनधु ॥ गाल मप ॥ शि
हं धुवापयिअगिनी दहकवाडि शंभुमलकलि ॥ घक्षकनहं नवियान

निजुजु १११

॥ ३४ ॥ आगिनी रुक्म विनूदयनहं नजि वयि शंभुनामूहचं वियाल कम
लसीधिवयि ॥ ॥ रूपहं आगिनी लपनजायि शंभुलिकुलवहियाल
उदियान समान ॥ ॥ ॥ अरुवह घनधान कंचियान शंभुसूर्य इ
यिपऊनरुवांठा ॥ ॥ रुनयिगं जानिहमं रुद्रुवोना शंभुनवयनावि
मास्य उरुयन उवीना ॥ ॥ ३५ ॥ नागा मालवा ॥ गाल माथा ॥ निजु
उ ॥ अउधु ॥ हनुवलाया शंभीहगम ॥ आगिनीपयिस ॥ ३६ ॥ आ
नदादि दवाकलि आनददादि दवा शंभुनिनाचकि हनुअ मनसासीपुन
॥ ॥ रुक्मसिनीहं रुद्रु निजु कल हनुव शंभुसर्वयि मतहा पिवयिस

उदित ॥ १८

नाक ॥ ॥ श्रीशदियान् ऊलयिचधुनिशंगीतजनहा किनवयिबाऊ
कि ॥ ॥ अलिकालिइयि पादधनकं शं चउआगिनी मजिलगीगं
॥ ॥ पयिसयिदाम्बिनि अहयसंआगशं कीउकी कमलकुलिसवऊ
रिवा ॥ ॥ यस्मलिधानि चोनिवगाविश्लपनचउसमहं नूआवाला
॥ ॥ ३३ ॥ नागा ॥ विरासा ॥ गाल माथ ॥ उदिताननयिया येवनधूता
॥ ॥ अर्नसहदानककासलरुगा ॥ ॥ धानइष्टानरुवद्विनिसंगल
लिगा ॥ अखयनिनजनभाऊरुगा ॥ ॥ दिनकलमधुल मध्यगगा
॥ ॥ कनूनामगनससवसरुगा ॥ ॥ दग्धश्रुतिशयप्रतिनिहंगा

अवनिनिहिगजानो ॥ १९
वामजानो ॥ २०

॥ ॥ देवासननमभिलनमिगा ॥ ॥ गावक्तिपवनप्रतिगुनरुगगा ॥
बऊवानाहिदुंरुभिननमिगा ॥ ॥ ३३ ॥ नागा ॥ कामाउ ॥ गाल खरु
गाना ॥ अवनिनिहिगजानू नीलसमदहा ॥ कंकवगिषयनरीखमवदना
॥ ॥ ॥ गनारुंरुं ॥ गनारुंरुं ॥ रुरुंरुंरुं ॥ रुरुंरुंरुं ॥ रुरुंरुंरुं ॥ रुरुंरुंरुं ॥ रुरुंरुंरुं ॥ रुरुंरुंरुं ॥
निविदितघनइकि साहितमंग ॥ पाठखरुध्वविगिगुवननाथ ॥
हनिहनवुक्ता ॥ उचउमाना ॥ मालविघ्नइनिभरुयहवर्ष ॥
विविधिरुनलमोलिलकनदहा ॥ रुरुगगवाकिरुवलरुलदायकी ॥ ॥
॥ ३३ ॥ नागा ॥ कामाउ ॥ गाल खरुगाल ॥ अवनिनिहिगवामजानू खरु

भक्तिनलमात्रसंज्ञासार्थं नागद्वयमाह वधिनयाभा गिरुवनलायाञ्च
 लविना॥ ॐ नमामि श्रीचन्द्रमहाबायना जगत्सर्व रुचिरदिता २ वि
 धनाथविष्णुव्यापिक विनीविक्रम महाकाधनाया॥ ॥ अतिरिख
 नागा उर्ध्वचंद्रं दुर्धननायाविद्युनिकिननार्थपीठितज्जधनाकंकननय
 नावेनिसंज्ञासा नाखरुसजना॥ ॥ माधवमाया पुनन्दवम् नोदयि
 माचायादशरुनक्षत्रसमनसमाया नागविमाहा हाननायासभाहिन
 दहा॥ ॥ नलारुनक्षत्रप्रकलितमोलि कयूननोदवन्मूर्तकाना
 रं सवनननागा वंदितचनक्षत्रायासूचनञ्चलवीना॥ ॥ ॐ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २२

नागावामकनिनालमाथ॥ हूं हूं हूं दहधनु सीसानकनरं ददाशालिगक्षया
 गधना॥ ॐ हवजगुम्भकनाहूं हूं कनाहूं हूं शं कनाहूं हूं हूं हूं ॥ ॥
 सवननवंदितचनक्षत्र २ कसमविलयनदहधनु॥ ॥ लवविम
 कृद्विराषगुणकृदायि २ नमः हूं नमः हूं श्रीहवजगुम्भगुणप्रययि॥ ॥
 ॥ ॐ ॥ नागाग्वजगुणनालमाथ॥ वामखत्यनधनदहितकलि २ घा
 यननोपूनमधुननसिन्माला॥ ॐ ॥ देवीनाचयिनेकजटिवजजगि
 नी २ शिनिनकुदवी गिरुवनपयिस॥ ॐ ॥ कालमृत्पद्वियपावनव
 धिन २ नागद्वयमाह कलिनकुदं॥ ॐ ॥ धूनसूक्तदेवी गिरुवनदेवी

श्रीद्वयगोप्ता ॥२३ कऊअगिनी ॥२४

२ शुभपादुदवी शुभस्वहावा ॥ कृ ॥ श्रीसहाननाया कनूनक नाया २ म
जमार्गदवी सविक्तदवी ॥ ॥ ३३ ॥ नागा ॥ कनदि ॥ गालमाप ॥ श्रीहवऊ
नेनात्मादवी गिरूवननाथ २ पंचजित ॥ पिक्पचवधूदहा ॥ कृ ॥ न
मामि २ श्रीलापूछांगचेस २ हनूक श्रीमुक्ती वनी वऊ ऊगिनी शुभ्यगा ॥
॥ १ ॥ पूर्वदिर्गास्तिक लूनवनोलवधू २ दाहेनया ॥ ॥ १ ॥ सामर्विइधना
॥ १ ॥ घस्मत्रिचोनियागिनी दवी २ गावक्तिनिनाव ॥ विजा ॥
॥ ० ॥ ॥ १ ॥ नागा ॥ मानश्री ॥ गालमाथा ॥ वऊ यागि ॥ १ ॥ नाया २ वि
रूवननाथ २ हिमप्रान्त ॥ कृ ॥ पिवयिन महानस महासख ऊनीया

[illegible]

[illegible]

2881

विश्वसना ॥ २५

कालिका ॥ काला ॥ जगदाला कलाचन ॥ जा ॥ कमलासनस्तु भविवर्धना
कलकमला ॥ काला ॥ सहजानन्दकालिका ॥ जा ॥ निजिनिजिनहृदया
जादसूदना ॥ काला ॥ नरुं मीरु कुमाला ॥ त्याकजा ॥ नाग ॥
अन्धारेनवी ॥ नानचस्पति ॥ विश्वसवाबुह ॥ विदुविम ॥ वियापि
गुणसरुवा ॥ ॐ ॥ नमामि ॥ वागीश्वरसमने ॥ मतिहृदया ॥ शिवा ॥
पिकुटीगानमनाहनसयनजिनहृदया ॥ ॥ पीतलीला ॥ नृनशीन
वयनशयचजिनमकुटमलिलयन ॥ ॥ धर्मचक्रमुद्राकलिषना
सिश्च ॥ चापयियाप्रहाशुवस्कान ॥ ॥ सुनास्त्रवधमिगवचनम

प्रह्वनकालिगा ॥ ३० प्रह्वनिगह्वका ॥

नाशरुक्षयिपनमादिवज्जिनगुहलनयन ॥ ॥ ३३ ॥ नागागच्छ
रुनवी ॥ गालजया ॥ प्रह्वनकालिगमनूति ॥ अनूनायनवितयवंति ॥ ॐ
॥ नाचनवज्जसत्त्वपनमध्वननीनवति ॥ ॥ नस्मि सहस्रदक्षकिवक्षद
भसूर्यसहस्रवति ॥ ॐ ॥ वरुविहवृष ॥ नविषाणि ॥ अनूनायनसत्त्वव
नी ॥ ॥ ० ॥ नागा ॥ कामादा ॥ गानवृक्षगाना ॥ प्रकालिगह्वका ॥ ना
ह्वमनूति ॥ ०० ॥ नीलकुसमहिगदहा ॥ विष्वा ॥ अस्तिग ॥ शिकवन ॥ न
लमकुटक्रोधाधिप ॥ ॐ ॥ नमामि ॥ श्रीप्रचधुवीन ॥ ह्वनसिधुन
कननशविष्वा ॥ नाथ ॥ प्रह्वनव्यापिग ॥ वदानि ॥ ध्वसनकवर्ष ॥ ॥ अ

सम्बन्धनाया ॥ ॥ कृतिगघष्टु गजचर्मविष्टुवा कर्त्तिकुमवृष्टु ॥
 हिता २ मर्जुपूनी कयालखर्वांग पासपनसूत्रमणिबंधना ॥ ॥
 यवजिनवन मकुट आलीकन यठु मूडा आरुवन विरुषिना २ आलिका
 लिइयि आलिधवायपि व्याघ्रचर्मनिर्वासन कष्टुन ॥ ॥ नवसिल
 माला लम्बशी सम्बना दिव्यचक्र विनिक नहिया २ जन्मजन्ममानुशु
 पाय भवन नागभङ्गि पनमादिवजगीना ॥ ॥ ३५ ॥ नागाधनाशी
 गान ऊटि ॥ सर्वाङ्गना महासूत्रकनीया चउआनन्ददहा २ गिरुवन रु
 लयी महासूत्रनाया चतुसूर्यइयिभविना ॥ ॥ नपापनिष्ठनय

नविना गिरुवन नृकस्वनयि २ सर्वविकल्प विध्वंशनीदवी अनुरुनहा
 नवनदायनी ॥ ॥ अमिगारुमधुल वंदिया नथिनि कल्पाननमिव
 नृप्रधानी २ कर्वाटकपाना खर्वागधनी प्रह्लाहानवनवदायनी ॥ ॥
 दिगम्बन मुकुटकणी चकीकुल कलिधनी २ नृचकभखला पायनध
 नी गीर्वनुद्रन नधिलमाला ॥ ॥ सर्वगथागम जननीदवी विनहि
 तलावअलावा २ श्रीवज्रयोगिनी चनलनिर्गमधनीया गावकि समव
 संबजा ॥ ३ ॥ ० ॥ नागवर्सक ॥ गालमाथा ॥ अतसिकु समइनिदह
 प्रहास्वना २ विविधिनत्नमलिमकुटविरुषिना ॥ ॥ नाचनशी अच

रुक्मिणीसुखेवा॥३३

लवीना २ गना च उ आत च विना सयि अचला ॥ ॥ व्याम उरु व विन्दु
मडा दर्शना २ प्रहा आलिङ्गन अहय महा सह ॥ ॥ विना ग चन्दु
गिरु वरुय कना २ गस्पति ह ग ख अ ग ऊ निपा ॥ ॥ माल चतु न
दय निविल विघ्न ह ना २ न वि वि भि रु ग ल ग ग ल वि ना सयि अचला
॥ ॥ ॐ ॥ नागा ॥ का भा उ ॥ ख द्दी ग न ॥ हं वि ऊ र्सी र व ख स म द हा
न व न स द वि भि न न रु न ध ना २ द द ध र ज व द व द ना द द ध व रु न
न क न गी ॥ ॐ ॥ न मा मि श्री चि च क्ख र्ब माल र य र व र य ह न र्
॥ ॥ चतु न वि भि ति पी २ ० ॥ र्ब क्खि र्सी वि न वि न र्ध ना २ च उ च क्ख

उत्तम सुखेवा॥३७

पवित्रता दवी र्सी पू न प्र क लि न स्ति ना ॥ ॥ प्र हा र्सी पू न आ लि का लि
प्र दा का ना अ नि र्सी द ना २ द द ध र द वी उ क्ख रा वा न मा मि श्री च क्ख र्सी न्ध ना
॥ ॥ धि न गु न च न र ल सिल्य ध र्ब र न यि गि ना श्री वि क्ख लि ॥ २ दान प
गिल म न्ना र्ध स य म धु ल आ ना धि ना ॥ ॥ ॐ ॥ नागा ॥ न लि गु
ज नी ॥ नाल ऊ रि ॥ उ व ग र न र धि श्री नि न न न्ध र २ ० ॥ दु नी ल इ नि पि ग
ल र्की ॥ ॐ ॥ ज ग द न्क य क्ख य गु ल द वी २ इ म्मा न वि घ्ना ध नी द
वी ॥ ॥ न क न य न नि नि न्द माला २ ख अ क न र्क याल वि घ्ना ध नी
द वी ॥ ॥ व्या घ्र च र्म व र्ध प्र त्या नि धा २ ख र्ब ल म्बा द न र्ध र्वा का ना ॥ ॥

रुद्रा ॥ ३८

चननसनलशीउर्गताबुलिमागा २ रुनयिअभाघकजीनचविना ॥ ॥
॥ ३८३ ॥ नागपंचमागोन ॥ ग्रिहना ॥ ऊर्यवाकूतिहनुडाघनयि २ सयल
सनासनऊगगउधावि ॥ ॥ ॥ नरुगवनिपाडकेमलमहिमधुलनो
पुनननमूनकावा २ हाउरुमनआरुवधविहविनभखवधुउलाल
२ गिनिगिनिगिनयनिगिनिनयना ॥ ॥ कनकिखत्यनगीर्वरुड
ननसिलमाला २ ककिखदीगवनमकुरक ॥ ॥ सिनससिधू
वनागकडलसूना २ ककुविकपूननाम्वनसखसावा ॥ ॥ रु
नयिसननवऊवाकूतिदाया २ श्रीवज्रदेवीप्रसाद श्रीहनुडापाया

वक्रिकुंदला ॥ ३९

॥ ॥ ३८४ ॥ नागागवउग्रि ॥ गालनक ॥ चक्रिकुलकछिनाचक
मखनरुविना गिर्यनुडनलसिनमाला २ गीलचक्रिचक्रिलेया
रुसविहविनगगक्षकनाडिवधुनिलाया ॥ ॥ ॥ प्ररुणश्रीह
नुडा ॥ मभाबुका नाया २ रुगनाथ श्रीसम्बननाया ॥ ॥ वऊकरी
ठकहाथधनीया कीथिकियाउखदीरग २ सीपटयागिनीकमल
विहासिरगनमहासखमविप्रसाद ॥ ॥ वऊनानोहिआलीगलेसम्बन
नाचयिवरुविहिनरुग २ वाकूतिकालिलेयाकीउकिहनुडा अद्वरुव
रुननसूसागा ॥ ॥ सहऊसर्वरुलेयागवक्रिकक्षुपा श्रीहनुडाचन

ऊर्यऊर्यी॥४०

द्विविनी॥४१

क्षयसादरप्रह्लादालिङ्गनद्रिउक्तिहृन्नुविनासयिषुन्यकवृक्ष॥ ॥
॥ ॐ ॥ नागा॥ रुनवा॥ गानमाथा॥ ऊर्यऊर्यबाहुलिसमनसरुस्कनी२
अययदःखयसहाविधी॥ ॐ ॥ वृक्षमूर्धनहाहंकावनाचयिमा
ननिनवान्व२जिमयनयालदहपुननजिनऊननीदवीवऊजागिनी॥ ॥
ऊर्यऊर्यहाऊरुनक्षस्रभागा२कननिकपानखदीगधानी॥ ॥ ऊ
यऊर्यनोदधमभाननीव२गीर्वनूदनवसिलमाला॥ ॥ ऊर्यऊर्यना
खहंऊगनसंसाव२प्रक्षमामिअदयवाहुलि॥ ॥ ॐ ॥ नागा॥ गव
उगी॥ गालमाथा॥ द्विविनीसनावनविनासयिकयि॥ ॥ २उथरुनाऊमउ

गऊऊनी॥४२

ललाया॥ ॐ ॥ हऊकावहमवऊगननिर्वासियान॥ ॥ अमिय२नि
नऊनदस२सहऊसुन्दरीवायाजिनहंनययिस॥ ॥ उचउऊगिनी
यलमलमला२वऊवानाहिआलिङ्गिषकोला॥ ॥ उथरुनाऊकन
नकवादि२ऊर्यऊर्यआलिङ्गिषनीलवर्धुवालि॥ ॥ ॐ ॥ नागा॥ रु
नवी॥ गाल॥ ॐ ॥ गऊऊनऊरुनहाथधनीयाकमलकूलिषअदयवा
नि२ऊमनूकनकिर्कभनगिसनावामखदीगकपालअधना॥ ॐ ॥ ॥
विसंम्वनवायाबाहुलिषुऊरुगालिना॥ मानयिलचापयियालविमाया
सासूरुवनुमडासिनिक्ष॥ ॥ ॥ ॐ ॥ रुदवाममहाथधनीया

उत्तमसिलमाला २ नीलहनी कलाहिनक ३ मूख अतिविक्रान्त
 ईश्वर ॥ १ ॥ अलिध प्रयाहे नवचापयियाल कालिनाग्निविम्बमद्रा २ वि
 ध्वकुलि ॥ अर्धचंद्रा युक व्याघ्रचर्मवठमद्रा ॥ ॥ अतिसेविनी विन
 ४ ननायक गिति चक्रमहा विनवीना २ कनू लक्ष्मणा न विनवी विनध्वन ३
 अयिसया नरस साव अर्धना ॥ ॥ ३० ॥ नागा निवदा ॥ गाल माथ ॥
 अखयनि नऊ न अद्वय अतूय प्र गगल कमल ऊ साधना २ सत्य ना विना
 सित नाय श्री चिया देवी प्राण विडै समय आदिना ॥ ॥ नमो मिनि नान
 रुवनि नऊ न सोराव ॥ हुरु नल सी प्रायिना २ स नद चन्द्र समय नऊ प्रका

सितकुलजचंद्रसमव्यापिता॥ ॥खड्गगंगावनसाधिनचक्रवर्त्म
नमधुलरुवगविना २ निर्मलहृदयालचक्रध्यायितग्रहिनिशिकुदकम
यसाधना॥ ॥अनदपवनमानंदविनमासहजचक्रनानंदकसहवा २
पनमाविनमाग्य नकुदिल महासूखगुगतसंयदप्रापिता॥ ॥ह
वज्रकालचक्र श्रीचक्रसम्बन्धनरुकीटिसिद्धापानीगंगा २ श्रीहनता
दियानपूरुगिनिजानीधनी प्रहमहासूखजानहं॥ ॥ ३३३ ॥आ
गा॥ललितगा॥गालजपा॥ विषयविषयविनू यवनसंज्ञा ॥ कलयिचक्र
निनाहिकमल २ दहयिजिनविन्दु॥ ॥ ३३३ ॥सूवनवज्र निमिश्राण

समयसामक्ष्यपी॥ ध्रु ॥ तममंरुध ॥ हवजसम्बन्धविश्व
 पश्ययेयदमसंजागसकृदिति॥ नासहज आनन्दमयहाननूपी॥ ॥
 वज्रपदं कजकं कुमनूननने नामसंगिति॥ अकारुध्मानीं जगत् ५४ स्वना
 हानवोधिरे ॥ दायकं योगधर्ममानुराहदय्यी॥ ॥ गुर्ववाकं दधद्वी
 या अर्द्धयवने ॥ नयमसिमकृदचैदनिउगादिधविया २ चउचक्रया प्रभा
 वीक्षपवमध्वनी सूर्यहममानुवावाहहवती॥ ॥ स्वप्नमाया अदृशर
 वपविलावना बुद्धधर्मसंघसवनागतियं २ गुर्वचनलनिगनधनीया
 गावकिस्वगवज्जन्मजन्ममानुबुद्धधनली॥ ० ॥ ॐ ॥ नागा ॥ रेवती

नंदगाम्भीर्य ॥ १ ॥

नानिहना ॥ चद्रागमूषान् भिनसंवृक्षा वासकिनागा गर्जितमघा २ गक
 नभा ॥ ध्वनं अश्वकवृक्षा घूनिनमघा नरुक्कनागा ॥ ध्रु ॥ ॐ ॥ उज्जमऊ
 लनक ॥ नवलिवायुनाकसं दिगीविदिगीवलिदवंतिल २ अष्टमध्वनंरु
 निधीवीनध्वननाचयिसहजा आनन्दन ॥ ॥ कंकलिधाना वरुत्तम
 घा कालाकुला ककाटिकनागा २ कर्बकहेनवा वरुत्तमघा सर्वसिजनागा
 ककवृक्षा ॥ ॥ अरुहहा ॥ सीखपालनागा प्रचदुमघा वरुत्तमहिनु
 हा २ लक्ष्मिवाना कर्बजवृक्षा घूनिनमघा महापद्मा ॥ ॥ ध्यानध्वनं
 नयकनिवृक्षा अन्नकनागा ध्रुवधनम ॥ किलिला वासुदेवक